महामहिम राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का इंडेक्स मेडीकल कालेज,इंदोर के वार्षिक समारोह में भाषण

स्थान :- इंदौर दिनांक :- 22 जनवरी,2012 समय :- सांय 4 बजे

इंडेक्स मेडीकल कॉलेज के वार्षिक समारोह में भाग लेते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

मध्यप्रदेश में उच्च शिक्षा विशेषकर चिकित्सा शिक्षा के सभी क्षेत्रों में विकास की असीम संभावनायें हैं। युवा पीढ़ी में अच्छी शिक्षा ग्रहण करने की क्षमता है, सोच है, समर्पण है। उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाकर, युवा पीढ़ी की क्षमता, सोच और समर्पण को, फलीभूत किया जा सकता है।

शिक्षकों से मैं कहना चाहता हूं कि वे अपने कर्तव्यों प्रति सजग रहें और नई पीढ़ी को अच्छी शिक्षा प्रदान करें, सुसंस्कृत एवं चरित्रवान पीढ़ी का निर्माण करें। महाविद्यालयीन प्रबंधन की भी यह जिम्मेदारी है कि बच्चों को शिक्षा के समुचित संसाधन उपलब्ध करायें, महाविद्यालयों में शिक्षा का अच्छा वातावरण निर्मित किया जाये।

चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में हमारे देश ने, कीर्तिमान स्थापित किये हैं। आज अमेरिका और यूरोप जैसे देशों के लोग हमारे देश में इलाज कराने आते हैं। हमारे यहां चिकित्सा अन्य देशों के मुकाबले सस्ती और उच्च स्तर की है। इसके अलावा सबसे बड़ी विशेषता है मानवीय व्यवहार की है। हमारे डाक्टर अपने मरीजों से प्रेम और भाईचारे के साथ बात करते हैं।

चिकित्सा के क्षेत्र में आज नये-नये प्रयोग किये जा रहे हैं। इसलिए आवश्यकता है कि विद्यार्थियों को भी इस में सहभागी बनाया जाये। इससे विद्यार्थियों में निरन्तर आगे बढ़ने की भावना विकसित हो सकेगी।

इस अवसर पर, मैं, चिकित्सा शिक्षा से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति से, आग्रह करना चाहूंगा कि व्यावसायिक मानसिकता से बचें। इसे मानवीय सेवा का अवसर समझकर करें। शहरों में तो आज जगह-जगह पर अस्पताल देखने को मिल जाते हैं। परन्तु ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में अभी लोग झोला छाप डाक्टरों से अपना इलाज करने को विवश हैं।

मेरा दृढ़ विश्वास है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं के बिना देश की प्रगति सम्भव नहीं है। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए धन राशि के अतिरिक्त समर्पित और प्रशिक्षित अमला भी उपलब्ध कराना चाहिए।

हम देखते हैं कि छोटे-मोटे रोग तो मामूली दवाई ले लेने से कुछ समय के लिए ठीक हो जाते हैं। परन्तु गंभीर बीमारी के लिए अनुभवी डाक्टर की ही सलाह लेना चाहिए।

युवा पीढ़ी देश का भविष्य है और शिक्षा जगत इस पीढ़ी का निर्माता है। इसलिए नयी पीढ़ी को संबंधित विषयों के साथ-साथ राष्ट्रभक्ति से जुड़े विषयों का भी ज्ञान कराया जाना आवश्यक है।

आपने मुझे इस गरिमामय कार्यक्रम में बुलाया। इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। विद्यार्थियों और पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

जय हिन्द